ओएसिस हिन्दी प्रेस | पिलानी | गुरुवार, अक्टूबर 23, 2008 | कुल पृष्ठ - 8

दर्पण

hpc-bits.blogspot.com | hindipressclub@gmail.com

ओएसिस अपने शबाब पर

saixaPt

ओएसिस में आज

AUDI

-> कवि सम्मलेन- शाम 8 बजे

-> राजमटाज़ - रात्रि 12 बजे

-> ओएसिस अनप्लग्ड - रात्रि 4 बजे

ET

-> धरोहर - रात्रि 9 बजे

2219

-> इंटरटेनमेंट क्विज - संध्या 7:30

FD-2 QT

-> मिस्टिक स्पूफ्स - संध्या 7 बजे

-> कराओके नाईट - रात्रि 12 बजे

LTC-5105

-> ब्लैब एलिम्स - रात्रि 6:30 बजे

SAC

-> डांस वर्कशॉप - संध्या 7:30 बजे

कल के आकर्षण

फैश-पी

ब्लैब फाईनल

वैल-डी

मौक-पी फाईनल

फिल्मी मुकाबला फाईनल

ड डे आफ्टर

क्षणिका फाईनल

ब्लैब एलिम्स २

ऐड मैड

डेज़र्ट ड्रएल

वर्डस्टॉक

टर्मिनेटर

यूफोरिया ने मचाई युफोरिक धूम

22 अक्टूबर को के.के. द्वारा धमाकेदार शो के बाद जनता का प्रॉफ शो के लिए उत्साह अपनी चरम सीमा पर था जिस कारण यूफोरिया के लिए भी भीड़ शो के काफ़ी देर पहले ही जमा हो गई | एक बार फिर से शो जो की 8.30 बजे के लिए निर्धारित था करीब 2 घंटे देरी से, 10.30 पर शुरू हुआ | यूफोरिया के प्रमुख गायक ' पलाश सेन ' ने बताया की यह उनका बिट्स ओएसिस में चौथा प्रदर्शन है | साथ ही उन्होंने यह भी बताया की यूफोरिया ने अपना पहला शो भी इसी स्टेज पर किया था जिसकी वजह से यह स्टेज उनके लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है |

पलाश ने शो की शुरुआत अपने हिट गाने ' धूम पिचक धूम ' के साथ की जिसका जनता ने खूब लुत्फ़ उठाया |

शो शुरुआत से ही ऊर्जा से ओत-प्रोत रहा | पलाश ने शो दे दौरान बेहिचक जनता के साथ मजाक किया और गानों के बीच खूब मस्ती की | उन्होंने तो ऊपर बैठी जनता को पढ़ाकू तक बोल डाला ताकि उन्हें भी खड़ा करवा कर नाचने पर मजबूर कर सकें | उन्होंने लड़के-लड़कियों के विषय को लेकर भी खूब नटखट और चुलबुली बातें की जिससे जनता को भी बहुत मज़ा आया |

शो के दौरान "'माईरी" गाने की लगातार मांग होती रही और जब यह गाना पलाश ने गाया तो जनता झूम उठी |

जनता ने लगभग पूरा गाना पलाश के साथ गाया जिससे वे भावुक हो गए और उन्होंने बताया की उनका ये हमेशा से सपना रहा है की कोई उनका गाना उन्हें ही को वापस सुनाये जो आज पूरा हुआ | पलाश का मजाकिया अंदाज जनता को बहुत पसंद आया | उन्होंने अपने कीबोर्ड प्लेयर ' बेंजामिन पिंटू ' की लम्बी जुल्फों पर व्यंग्य करते हुए भी गाने गाए जो सभी को अच्छे लगे | साथ ही उनके गिटारिस्ट ' रितेश ' , जिनका आज जन्मदिन भी था के प्रदर्शन ने सभी का दिल जीत लिया |

शो में उन्होंने कई गानों (जैसे रॉक ऑन, मस्ती की पाठशाला और दिल चाहता है) की धुन के साथ प्रयोग करते हुए उन्हें अपने ही अंदाज़ में गया जो काफ़ी प्रभावशाली रहा | शो की सबसी अच्छी बात यह रही की सुबह की शंघाई की उड़ान होने के बावजूद उन्होंने 1.30 बजे तक खूब जोश से प्रदर्शन दिया |

सिक्के का दूसरा पहलू देखें तो बोला जा सकता है की आज का प्रदर्शन के.के. के शो के मुकाबले थोड़ा फीका पड़ गया जिसका एक कारण यह भी था की ज्यादातर गाने फिल्मी नहीं थे | परन्तु कुल मिलकर अगर देखा जाए तो कहा जा सकता है की यूफोरिया का प्रदर्शन भी काफ़ी प्रशंसनीय रहा |

लौंज पिरान्हा

ओएसिस की शोभा में चार चाँद लगाते प्रॉफ शोज़ की कड़ी में तीसरा था उभरता बैंड लौंज पिरान्हा का शो | हमेशा की तरह अपने समय से काफी देर यानि करीब रात के 3:30 बजे यह शो शुरू हुआ | इतनी रात के बावजूद जनता का उत्साह देखने लायक था | पूरा ऑडी भरा हुआ था एवं जनता के शोर से गूँज रहा था | बैंड के स्टेज पर आते ही जनता में जोश उमड़ पड़ा | और जब एक के बाद एक उन्होंने अपने नए गानों को पेश किया तब तो मानों सारा ऑडी मतवाला सा हो गया था | बीच-बीच में उन्होंने अपने बैंड के स्टिकर्स भी जनता की ओर उछाले | उन्होंने बताया की यह उनका बिट्स में प्रथम आगमन है एवं वादा किया की शो के अंत तक सभी उन्हें अच्छे से जान जाएंगे | उनकी ये बात तब सच हुई जब कार्यक्रम के अंत में पूरा ऑडी "वंस मोर" के शोर से गूँज उठा एवं उन्हें फ़िर से एक गाना गाना पड़ा | वाकई उन्होंने जनता को अपना दीवाना बना दिया.... करीब 6:30 बजे ख़त्म हुए | इस शो को शायद ही कोई दर्शक कभी भूल पाए | हिन्दी प्रेस ने बैंड के सदस्यों से खास बातचीत की | यह बैंड वस्तुतः 2004 में अस्तित्व में आया | सदस्यों में अभिजीत एवं रवि गायक हैं और जॉर्ज ड्रम्स बजाते हैं | उन्होंने युवाओं को अपनी दिल की आवाज़ सुनने की प्रेरणा दी एवं कहा की

वही करना चाहिए जिसमे दिल लगे..जो दिल कहे |अपनी रुचियों को ध्यान में रखना चाहिए | उन्होंने यह भी कहा कि आजकल हिन्दी फ़िल्म संगीत पाश्चात्य संगीत की ओर बढ़ता जा रहा है | इनका मानना है की किसी भी बैंड को सिर्फ़ अपने ही गाने गाने चाहिए एवं संगीत में किसी को अपना आदर्श न मानकर ख़ुद की शैली विकसित करनी चाहिए |

मुलाकात पलाश से

1. बिट्स में शो के बारे में मालूम होने पर क्या प्रतिक्रिया थी आपकी?

हालाँकि बिट्स हम पहले भी आ चुके हैं और यह चौथी बार हम यहाँ आ रहे है | पहेली बार हम यहाँ 1996 में आए थे, दिल्ली के बाद हमने पहेली बार बिट्स में ही प्रस्तुति दी थी |10 साल में यहाँ हम 4 बार आ चुके हैं, जो की बहुत ही बड़ी बात है | इसी लिए बिट्स पिलानी हमारे दिल में ख़ास जगह रखता है |

2. आप यहाँ रॉक्टेव्स जीत चुके हैं और अब आप यहाँ एक पेशेवर शो करने आए हैं | तब और आज में कोई अन्तर ?

हम हर समय अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने का प्रयास करते है| जहाँ तक तब और आज के अन्तर की बात है तो तब हमसे दर्शकों की उमीदें इतनी ज्यादा नहीं थी जितनी आज है |

3. पहले के ओएसिस जिनमें आप आ चुके है और इस ओएसिस में आप क्या नया देखते हैं ?

हालाँकि अभी तक मैंने ज़्यादा कुछ देखा नहीं है लेकिन फिर भी मेरे नज़र में सिर्फ़ चेहरे बदलते है पर दिल और जूनून वही रहता है |

4 आपकी नई एल्बम या फ़िल्म ?

यूफोरिया ने फ़िल्म "मुंबई 10" के लिए संगीत दिया है जिसमें पलाश सेन ने अभिनय भी किया है | ये फ़िल्म नवम्बर अंत या दिसम्बर के शुरुआत में प्रदर्शित होगी|

5. अब आप यहाँ से कहाँ जा रहे हैं ?

अब हम यहाँ से शंघाई जा रहे हैं |

कौन बनेगा पत्रकार ?

ओएसिस हिन्दी प्रेस की प्रस्तुति "कौन बनेगा पत्रकार" के मुख्य अतिथि भौतिकी विज्ञान के व्याख्याता श्री नवीन सिंह और दैनिक भास्कर के श्री श्यामलाल इन्दौरी थे | एलिमिनेशन 4 चरणों में विभाजित था | इन सभी चरणों में प्रतिभागियों के पत्रकारिता तथा किसी विषय की विवेचना और विश्लेषण करने की कुशलता को परखा गया | प्रथम चरण में समाचार पत्र के मुख्य पृष्ट का नमूना तैयार करना था | अन्य चरण चित्रों से सम्बंधित विशेष व्यक्ति या घटना को पहचानना, किसी विषय पर लेख लिखना आदि पर आधारित थे | एलिमिनेशन में 6 टीमों को अन्तिम दौर के लिए चुना गया जो की इस प्रकार हैं :

1. लीमैट : बुश्रा चौधरी और रचित चुघ
2. एस.के.आई.टी : शशिकांत गुप्ता और संदीप कुमार सिघेल
3. पी.सी.ई- सुशील के.आर.जैन और बी.आई.टी मेसरा का मोहित गर्ग
4. बिट्स पिलानी - वैभव और विकल्प
5. हंसराज कॉलेज - सरस्वती पाठक
6. एस.के.आई.टी - राहुल और सुधीर चौधरी

स्टेज प्ले

पहले दिन के जलवों से आगे बढ़ते हुए ओएसिस का दूसरा दिन भी एक खुबसूरत आगाज़ को अंजाम तक ले जाने के सिलसिले में एक और कड़ी बना | रंग मंच के कार्यक्रमों में स्टेज-प्लेज ने दर्शकों को काफी अकर्शीत किया | इस बार इस कार्यक्रम में कुल मिलाकर 6 दलों ने हिस्सा लिया जिनमें एस.आर.सी.सी, मिरांडा हाउस, हिंदू कॉलेज, बिट्स-पिलानी का प्रदर्शन काफ़ी सराहनीय रहा | काफ़ी देर तक चले इस कार्यक्रम में विभिन्न कॉलेज के कलाकारों ने जिंदादिल प्रस्तुतियों से जनता को अंत तक बांधे रखा | हिंदू कॉलेज के छात्रों ने जहाँ नए तथा उभरते हुआ कलाकारों के प्रति समाज के नकारात्मक रवैये पर प्रकाश डालने का काम किया वहीं मिरांडा हाउस ने एक कत्ल के अनछुए और मानवीय पहलुओं को चित्रित किया | अन्तिम प्रस्तुति एस.आर.सी.सी द्वारा दी गई जिसमे एक संगीत अध्यापक और उसकी शिष्या के बीच उभरते रिश्तों के दर्द को प्रदर्शित किया गया | इस नाटक को जनता ने बहुत सराहा और तालियों की गड़गड़ाहट के साथ इस नाटक का अभिवादन किया | बिट्स - पिलानी की प्रस्तुति रही "The Zoo Story" |

इस स्टेज-प्लेज के नाटकों ने जनता को चित्र का दूसरा पहलु दिखाया और कलाकारों की उम्दा अभिनय ने देखने वालों का दिल जीत लिया |

इशारों ही इशारों में

इशारों ही इशारों में "हिन्दी कार्यकारिणी समिति" द्वारा आयोजित एक बेहद मनोरंजक कार्यक्रम था | इसके लिए सबसे पहले बिट्स की तरफ़ से करीब 20 टीमों ने हिस्सा लिया, जिसमें एक को अन्तिम चारण में प्रवेश मिला | इसके अलावा बाहर से 19 टीमों ने हिस्सा लिया जिसमें 5 टीमों को आखिरी चरण में प्रवेश मिला | सभी टीमों में 3 सदस्य थे और अन्तिम चरण में सभी टीमों को 5 चरण खेलना पड़ा | पहले चरण, यानि कि "रैपिड फायर" में प्रतियोगियों को 2.5 मिनट में 5-एक शब्द वाले फिल्मों के नाम बताने थे | दूसरा चरण था - "चित्र-चलचित्र" जिसमें चित्र के मध्यम से फ़िल्म की पहचान करनी थी | तीसरा चरण "नृत्य" था, जिसमें प्रतियोगियों को नृत्य के माध्यम से गाने की पहचान करनी थी | चौथा चरण "परिस्तिथि [situation] राउंड" था जिसमें प्रतियोगियों को किसी विशेष परिस्थिति के बारे में अनुमान लगाकर बताना था | पांचवा चरण था "दर्पण" जिसमें एक प्रतियोगी इशारे कर रहा था और दूसरा दर्पण की भांति तीसरे साथी को उत्तर का अनुमान लगाने में मदद कर रहा था | यह राउंड काफ़ी रोचक रहा जिसमें प्रतियोगियों के साथ साथ जनता ने भी आनंद उठाया |

ब्लफमास्टर

ब्लफमास्टर का आयोजन ओएसिस हिन्दी प्रेस तथा हिन्दी कार्यकारिणी समिति की टीम ने संयुक्त रूप से किया | यह इवेंट दो चरणों में कराया गया | सबसे पहले शुरू हुआ एलिम्स का दौर जिसमे हिस्सा लेने के लिए विभिन्न कोलेजों से 200 से अधिक लोगों ने शिरकत की | प्रथम चरण में प्रतियोगियों को 5 प्रश्नों(सर्वे पर निर्धारित) के उत्तर देने थे | उत्तर ऐसे होने चाहिए थे की वह उत्तर जो प्रतियोगी ने दिया हैं हमारी सूची (सर्वे पर निर्धारित) में निचले पायदान पर हो | अर्थात उत्तर देने वाले खिलाड़ी को अधिक अंक मिलता था | इन्ही 5 प्रश्नों पर चयन हुआ फाइनल राउंड के प्रतियोगियों का | प्रथम चरण के बाद 6 लोगों को फाइनल राउंड में खेलने का मौका मिला | इन 6 लोगों में 5 प्रतिभागी थे बिट्स से एवं 1 प्रतिभागी थी जयपुर की | हर दो प्रश्नों के बाद इन 6 प्रतियोगियों में से एक को खेल छोड़ कर जाना पड़ा | उनके निलंबन की प्रक्रिया कुछ ऐसी थी जो सारे प्रतियोगियों के मत पर निर्भर करती थी | हर प्रतियोगी उस खिलाड़ी के खिलाफ अपना मत देता था जिसे वो ब्लफमास्टर समझता था | ब्लफमास्टर की कोशिश ये होती थी की वह इस तरह से खेले की शक की सुई किसी भी तरह से उसकी तरफ़ न आए | इसी कारणवश वह सदैव दूसरे या तीसरे स्थान पर ही रहना पसंद कर रहा था और वो अपने साथी खिलाड़ियों एवं जनता को ब्लफ करने में काफी हद तक सफल भी हो गया था | पहले चयनित ब्लफमास्टर का ब्लफ तीन चरणों तक चल सका पर चौथे राउंड में बाकि खिलाड़ियों ने उसे 50 फीसदी से अधिक मतों से गेम से बाहर कर दिया | अब बचे थे 3 खिलाड़ी | फ़िर से सारी प्रक्रिया फ़िर से शुरी हुई - एक नया ब्लफमास्टर चुना गया , प्रश्नों का सिलसिला चल पड़ा | इस बार ब्लफमास्टर का ब्लफ पकड़ा गया और उसे गेम छोड़ कर जाना पड़ा | इस दफा उसे बाहर का रास्ता दिखने वाले मत थे जनता के | लगभग 60 फीसदी जनता ने ब्लफमास्टर के खिलाफ मत दे कर उसे बहार कर दिया | अब बचे थे मात्र दो खिलाड़ी - दोनों ही बिट्स के (मनीषा एवं विमल भाया) | इनके लिए आखरी चरण इसलिए महत्वपूर्ण हो गया क्यूंकि इनके किस्मत का फ़ैसला करने वाली थी वहां मौजूद जनता | अपने प्रश्नों के उत्तर देने के पश्चात् इन्हें जनता से अपील करनी थी की वे ब्लफमास्टर नहीं हैं और जनता उनके खिलाफ वोट न दे | आखरी चरण के लिए ब्लफमास्टर बने थे विमल भाया और उन्होंने जनता को भी ब्लफ करते हुए यह गमे शो जीत लिया और बन गए ब्लफमास्टर | इस खेल को जीतने का एक ही मंत्र था ब्लफ और उसमें विमल पूर्ण तरह से सफल हुए |

रॉकटेव्स

जब पूरा भारत सो रहा था तब बिट्स पिलानी में जुनून, दीवानगी और पागलपन का ऐसा समां बंधा हुआ था, जिसने देश भर के विभिन्न कोनों से आए दर्शकों को झूमने के लिए विवश कर दिया | जी हाँ, L&T द्वारा प्रायोजित रॉक्टेव्स-2008 के अन्तिम चरण में कुछ ऐसे ही नज़रों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया | रॉक्टेव्स ओएसिस-2008 के बहुप्रतेक्षित इवेंट्स में से एक था और जितना धमाकेदार इसका आगाज था उतना ही भव्य समापन भी हुआ | कल हुए प्रारंभिक चरण के पश्चात् 5 बैंडों को अन्तिम चरण में जगह दी गई थी जो थे - Artellerie, Rabbit Is Rich, The Circus, Rosemary एवं Less Is मोरे (बिट्स पिलानी) | Rosemary ने निर्वाना के "Come Together "की प्रस्तुति से संकेत दे दिया था की आने वाले चंद घंटो में क्या कुछ होने वाला है | सभी बैंडों ने स्वयं द्वारा तैयार की गई प्रस्तुतियों पर ध्यान केंद्रित किया जिनमें The Circus का "Mind Therapy", Rabbit Is Rich का "Fabricated" एवं Less Is More का "Rockstar" प्रमुख थे | सभी दलों का प्रयास सराहनीय था विशेषरूप से Less Is More (बिट्स पिलानी) का, जिसने पेशेवर बैंड्स को जोरदार टक्कर दी मगर जैसा कि प्रकृति का दस्तूर है, जीतना तो किसी एक को ही था | प्रतियोगिता को आंक रहे डेम क्लोन्स के सदस्यों ने Rosemary को विजेता एवं The Circus को उपविजेता घोषित किया जिन्हें पुरस्कारस्वरूप Rs.50,000 एवं Rs.30,000 नगद दिया जाएगा |

हमारे ब्लॉग :

http://www.hpc-bits.blogspot.com

http://www.bits-oasis.org/blog

यदि आप भी किसी घटना से जनता को अवगत कराना चाहते हैं तो OHP कमरा नंबर- 2207 में संपर्क करें |

पेन्टबॉल

सैनिक पहनावा, सर पर हेलमेट, हाथों में बन्दुक, और दिल में जोश और हिम्मत - चौंकिए मत !! यह कोई जंग की तयारी नहीं | बात हो रही है पेन्टबॉल की | C-Lawns में आयोजित यह खेल काफी लोकप्रिय रहा | पांच लोगों की दो टीमें एक दूसरे को पेंट की गोलियों से मारते | हर टीम रास्ते में बने अवरोधों की आड़ में, विरोधी की गोलियों से बचते हुए, उसके खेमे में जा कर अपना झंडा वापस लाती | जो टीम सबसे पहले यह कर पाती वो जीत जाती | इस खेल ने यूँ तो काफी भीड़ आकर्षित की पर लड़कों की अपेक्षा लड़कियां ज्यादा उत्साहित दिखीं | यह वास्तविक युद्ध से काफ़ी मिलता जुलता था और रोमांच पसंद लोग इसे एक बार ज़रूर खेलना चाहेंगे - क्योंकि ....- "डर के आगे जीत है ! "

बुल्स आइ

बुल्स आइ नामक इवेंट में करीब 40 टीमों ने भाग लिया | हर टीम में 2 participants थे और इस इवेंट में उत्साह, फ्री-सी और हाई फ्लाई से भी ज्यादा रहा | इसमें प्रतियोगियों को एक तीर-कमान बनाना था और एक टारगेट पर मारना था | प्रतियोगियों को एक तीर,एक कमान.एक कटर,2 कलर पेपर और एक रस्सी दी गई थी | बिट्स गोवा के निखिल ने प्रथम स्थान के साथ बाज़ी मारी और दूसरे स्थान पर आर.आई.टी उड़ीसा के ब्रज किशोर आए |

गब्बर मिक्स

ET में झंकार द्वारा आयोजित इवेंट का उत्साह प्रतियोगियों में देखते ही बनता था | नाम से रोचक दिखने वाले इस इवेंट में करीब 75 टीमों ने हिस्सा लिया | काफ़ी संख्या में हिस्सा लेने के कारण एलिमिनेशन राउंड रखा गया जिसमें 5 टीमों का चयन हुआ | अंत में फाइनल के लिए सिर्फ़ 4 टीमें बची | आफ्टर इफेक्ट, पेयर आईडेन्टीफिकेशन ,रिवर्स राउंड ,डांसिंग डम्ब-सी, मेट्रिक्स राउंड में काफ़ी रोचक और मजेदार सवाल पूछे गए थे | विजेता टीम दोनों ही बिट्स की रही | एक बिट्स पिलानी और दूसरी बिट्स गोवा, जिससे ये साबित ही गया कि फिल्मों के मामले में बिट्सियन्स की धाक बनी हुई है |

सिम्पोसिआर्क डिबेट

सिम्पोसिआर्क द्वारा आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता के आखिरी चरण में बिट्स पिलानी और एस.आर.सी.सी. कि टीमों ने जगह बनाई | फाइनल का विषय था "वाई सो सीरियस" | निर्णायक मंडल में एक सदस्य गार्गी कॉलेज का, एक एन.एल.सी. (जोधपुर) और एक बिट्स गोवा का था | फाइनल का प्रारूप संसदीय वाद-विवाद जैसा था | एक टीम बहुमत की थी और दूसरी विपक्ष | दोनों टीमों में 3 सदस्य थे और जनमत की टीम में एक प्रधानमंत्री, दूसरा उप-प्रधानमंत्री और तीसरा व्हिप था | उसी प्रकार विपक्ष में एक विपक्ष का नेता, दूसरा उपनेता और तीसरा व्हिप था | इस प्रतियोगिता में बिट्स की टीम ने जीत हासिल की |

'ऑडियो-विज़ुअल' क्विज

इलॉस द्वारा आयोजित किए गए 'ऑडियो-विजुअल' क्विज में भारी संख्या में टीमों ने हिस्सा लिया | इस क्विज का प्रायोजक कैशियो था | इलास के क्विज अपने कठिन सवालों के लिए जाने जाते हैं और इस क्विज में भी ऐसा ही कुछ देखने को मिला | प्रीलिम्स के बाद अगले राउंड में कुल 6 टीमों को प्रवेश मिला जिसमें काफ़ी मशक्क़त करने के बाद बिट्स गोवा की टीम ने बाज़ी मारी |

रागमालिका

रागमालिका ने कल अपने 3 इवेंट्स करवाए | आपको बता दें की रागामिल्का कैम्पस में शास्त्रीय संगीत को बढ़ावा देता है और इसी सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए रागमालिका ने शास्त्रीय कार्नाटिक और वाद्य, शास्त्रीय हिन्दुस्तानी और वाद्य और तांडव का आयोजन किया | सभी के बारे में आपको कुछ जानकारी दे दें |

शास्त्रीय कार्नाटिक और वाद्य

इस वर्ग में कुल 5 लोगों ने भाग लिया जिसमें 4 शास्त्रीय कार्नाटिक के लिए आए थे और 1 ने वायलिन पर अपने हाथ जमाए | इस वर्ग में रागमालिका के श्रीराम ने निर्णायक का भार संभाला | सभी की तरफ़ से अच्छी प्रस्तुति रही लेकिन बिट्स से एक भी एंट्री नहीं थी |

विजेता : निद्धेश्वर [बिट्स गोवा]

शास्त्रीय हिन्दुस्तानी और वाद्य

इस वर्ग में कुल 10 लोगों ने भाग लिया जिसमें से पाँच ने सुर के जादू बिखेरे और पाँच लोगों ने वाद्यों पर | इसमें भी कोई बिट्सियन प्रतिभागी नहीं था | इस वर्ग में श्री अनिल राइ ने निर्णायक का भार संभाला | बिट्स गोवा, हंसराज, मोतीलाल नेहरू, फैकल्टी ऑफ़ म्यूजिक ने इसमें भाग लिया |

शास्त्रीय हिन्दुस्तानी : विजेता [स्निग्धा दास - हंसराज]

हिन्दुस्तानी वाद्य : विजेता [चिन्मय केतकर - बिट्स गोवा]

तांडव

तांडव की जिस तरह पिछले साल की अनुक्रिया रही उसे दोहराते हुए कुछ 8 लोगों ने प्रतियोगिता में भाग लिया | कत्थक, भरतनाट्यम और कथकली जैसे वर्गों में लोगों ने अपनी प्रस्तुति दी | केवल एक ही प्रतिभागी ने कथकली की और वो पूरे इवेंट का एकमात्र बन्दा था | इसमें जनता कि भीड़ भी काफ़ी थी जिससे प्रतिभागियों को भी अपनी प्रस्तुति देने में मज़ा आया | इसमें निर्णायक थीं Ms.प्रिया दिनेसन, फैकल्टी बिरला बालिका विद्यापीठ | यह कार्यक्रम 3 चक्रों में विभाजित था और सभी को हर चक्र में प्रस्तुति देने का मौका दिया गया |

प्रथम : राजेश्वर - श्री वेंकटेश्वर

द्वितीय : प्रिया गर्ग - PGDAV[Evening]

अंत में आयोजकों से पूछने पर उन्होंने कहा कि सहभागिता पिछले बार जैसी ही थी पर गुणता में काफ़ी वृद्धि हुई है जो की खुशी की बात है | तांडव में 2 बिट्सियन एंट्री से वो काफ़ी खुश दिखे और कहा के उन्हें आशा है की आगे भी लोग उनके कार्यक्रमों में बढ़-चढकर हिस्सा लेंगे |

वर्डस्टॉक

2219 में आयोजित वर्डस्टॉक नाम के इवेंट को अनुसूची [schedule] से पहले होने के कारण शुरुआत में काफ़ी कम प्रतियोगियों से संतोष करना पड़ा | लेकिन ELAS ने भी इवेंट निश्चित समय से 1 घंटे बाद शुरू कर के भाग लेने वालो की संख्या अच्छी खासी कर दी | इवेंट में कुल 27 प्रश्न थे जो कि 7 श्रेणियों में बँटे हुए थे |

येलिम्स राउंड के सवाल काफ़ी रोचक और दिमागी कसरत कराने वाले थे | spoonerism,catch थे फ्रेज़, अनाग्रम्स, मेकिंग वर्ड्स आदि सवालों ने इंग्लिश की अच्छी जानकारी रखने वालों तक को भी मशक्कत करने पर मजबूर कर दिया | एक टीम दो लोगों की थी |

बेग बौरो स्टील

इन्फोर्मल्ज़ द्वारा यह इवेंट अच्छे ढंग से सम्पन्न कराया गया | इसमें कुल 43 टीमों ने हिस्सा लिया और सभी टीमों के बीच काफी कठिन प्रतियोगिता हुई | जनता बेग,बौरो के साथ-साथ स्टील भी कर रही थी जो की इस खेल के नाम को चरितार्थ करता है | लोगों में इतना उत्साह था कि वे 1 घंटे में ही 3/4 सामान लाने में सफल रहे | इसके आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका सारांश प्रसाद की रही [जो की इन्फोर्मल्ज़ के संयोजक भी हैं] जिन्होंने इस खेल का प्रारूप इस तरह रखा था की बिट्सियन जनता तथा बाहर की जनता के लिए स्तर समान हो | इसमें 2 टीम को विजेता चुना गया | इन्फोर्मल्ज़ की 25 लोगों की टीम ने इस कार्यक्रम का आयोजन सफलतापूर्वक किया जो की सराहनीय है |

नोकिया

ओएसिस-08 के मुख्य प्रायोजक, नोकिया ने इस बार कैम्पस में काफी धमाल मचा रखी है | अपने नए मॉडल N-96 के प्रचार के साथ ही नोकिया इस बार म-lawns में काफी मस्ती भरे खेल खिला रहा है | वहां पर मौजूद सारे कॉलेज के लोगों के उत्साह एवं जोश को बढावा देना और उनमें आपसी प्रतिस्पर्धा कराने में नोकिया दिन भर कुछ न कुछ कर रही है | विजेताओं को एक नोकिया की कैप या टी शर्ट दी जा रही है | अन्ताक्षरी, डांस, गाना, मिमिक्री जैसे इवेंट्स में जनता का उत्साह देखते ही बनता है | साथ ही नोकिया के गेम्स खेलने की भी सुविधा है एवं नोकिया एक्सप्रेस पर गाने भी सुन सकते हैं | सभी कॉलेजों की आपस में नोक झोक देख कर जनता को काफ़ी मज़ा आ रहा है | पर साथ ही बीच बीच में बार "I Love Nokia N 96" के नारे लगवाना भी नहीं भुला जाता | साथ ही बजते हुए गानों पर डांस के लिए भी यह काफी सही स्थान है | इस प्रकार हमारे प्रमुख प्रायोजक नोकिया अपने प्रचार के साथ-साथ ओएसिस के रंग को और भी रंगीन बना रहे हैं तो आप भी पीछे ना रहें और M-Lawns में पूरी मस्ती करें जीत कर, हार कर या फ़िर सिर्फ़ देख ही कर |

स्ट्रीट डांस

स्ट्रीट डांस प्रतियोगिता 22 अक्टूबर को SAC हॉल में सायं 6:30 बजे हुई | इस प्रतियोगिता में 6 दल प्रतिभागियों के रूप में आए | DCAC, CVC, VIPS ,BITS, KRC, और MRC | सभी का प्रदर्शन सराहनीय रहा ,किंतु VIPS और BITS सभी को पीछे छोड़ते हुए प्रथम स्थान पर सुसज्जित हुए | वैसे तो जनता को सभी का प्रदर्शन भाया, किंतु BITS के प्रदर्शन में एक अलग ही उत्साह देखने को मिला जिसने उसे विजेता की पद्यति प्राप्त करवाई | इसमें एक गेस्ट ग्रुप डांस टैक्र्स दिल्ली से आया था जिसने लोगों का मन मोह लिया | कुल मिला कर जनता ने इस प्रतियोगिता का भरपूर आनंद उठाया और इसकी सराहना करते ही अगले पड़ाव की और प्रस्थान किया |

ओएसिस हिन्दी प्रेस टीम

संपादक
पुष्प सौरव
सह संपादक
सुमन
ऋत्विक
संपादक मंडल
शैलेश
भावेश
प्रतीक
नित्य
ऋतू
पत्रकार
आलोक
लोकेश
कश्यप
उज्जवल
प्रेम
कुलदीप
गणेश
श्रुति
प्रभव
विशाल
नीतिश
आदित्य
अनुराग
ऋषि
पीयूष
किशन
निशांत
अभिनव
शिवम्
आभार
निरुपम
राज
प्रगति
स्नेहिल

मेरी कलम से

अरे, आज भी सम्पादकीय नहीं आया !!! ओएसिस 'दर्पण' में इस बार सम्पादकीय क्यों नहीं आ रहा है? क्या ओएसिस हिन्दी प्रेस के सम्पादक लिखना भूल गए हैं ? या फिर इतने व्यस्त हैं कि अपनी भावनाओं को व्यक्त करने का समय नहीं है? या, वो 'लाइट' लेने के मूड में हैं?

ये कुछ ऐसे सवाल हैं जो [शायद] लोगों के दिलों-दिमाग में पिछले तीन दिनों से खड़े हो रहे थे | सच कहूं तो जवाब मुझे भी पता नहीं | शायद दिमाग के एक कोने में जनता कि प्रतिक्रिया जानने कि इच्छा छिपी हुई थी | यह भी सम्भव है की मैं उस बची हुई जगह का इस्तेमाल अन्य चीज़ों के लिए करना चाहता था | अपने इवेंट्स को सफल करने का दबाव भी शायद अपनी इरादों को प्रकट करने में बाधक सिद्ध हो रहा था | खैर, कारण जो भी हो मैं इसके लिए क्षमाप्रार्थी हूँ | यदि कुछ घटनाओं को छोड़ दें, तो अब तक मेरा अनुभव इस ओएसिस में काफी अच्छा रहा है | ये 'कुछ' घटनाएं क्या हैं ? पिछले एक महीने से मेरी 'प्लेलिस्ट' में के.के.,के.के. और सिर्फ़ के.के. रहते थे | इतनी दीवानगी के बावजूद यदि अन्तिम समय तक प्रोफ शो का टिकेट नहीं मिल पाये तो हालत का अंदाजा आप स्वयं लगा सकते हैं | काफ़ी मशक्कत और अथक प्रयास के बाद मुझे जब के.के. और यूफोरिया देखने का अवसर प्राप्त हुआ तो मानो मेरा सपना साकार हो गया हो | आपसे में बस इतना कहना चाहूँगा कि ओएसिस के बचे हुए कुछ 30 घंटों का भरपूर मज़ा उठायें तथा इसे एक अभूतपूर्व अनुभव बनायें | साथ ही साथ यह भी आग्रह करना चाहूँगा कि ऑडी के अलावा होने वाले इवेंट्स में भी भाग लेकर विभिन्न क्लब और डिपार्टमेन्ट की मेहनत को साकार करें |
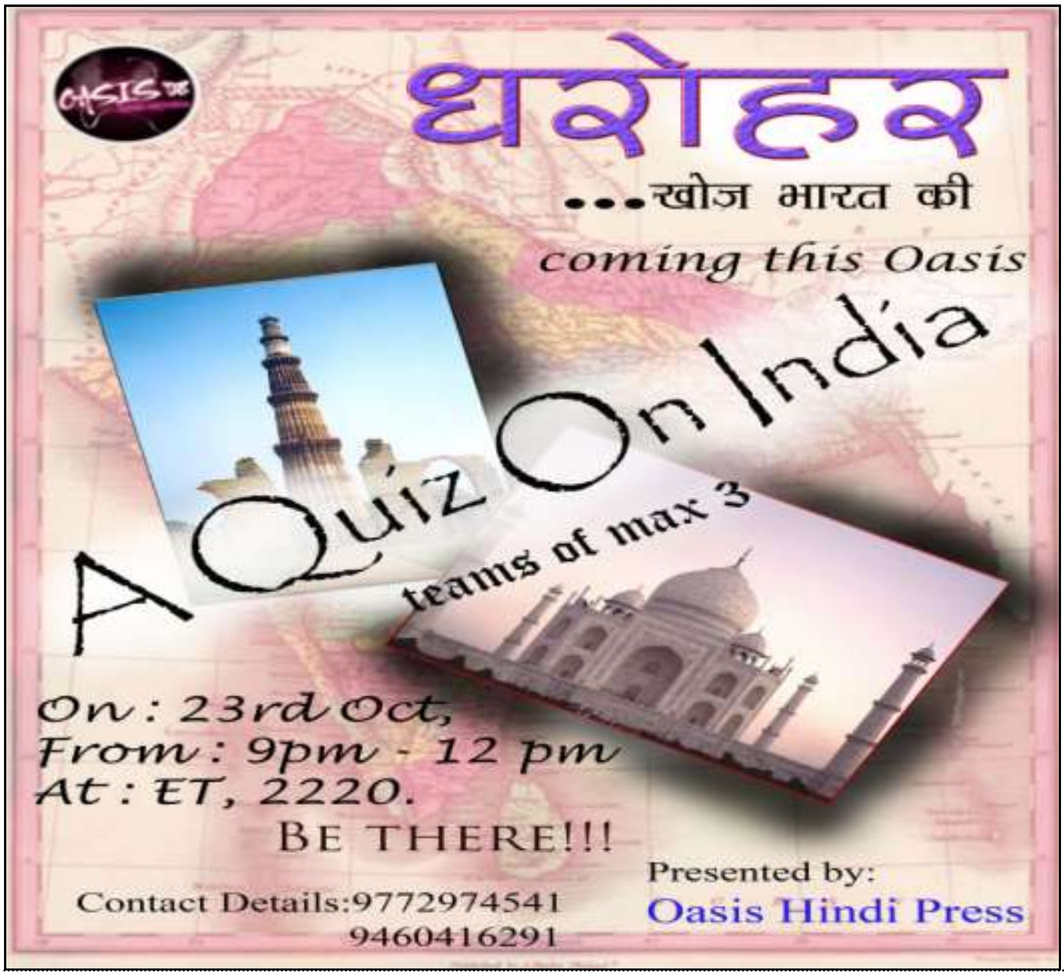
आपका पुष्प